https://swadeshbhartnews

R.N.I. No. UPHIN/2021/82888

स्वदेश भारत न्यूज

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

जौनपुर
मंगलवार 23 जून 2026
वर्ष : 05 – अंक : 25
पृष्ठ – 4 मूल्य – 5:00 रूपये

न्यूज कैप्सूल

क्या वोट देने का अधिकार बनेगा मौलिक अधिकार? कांग्रेस ने उठाई मांग, चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को वोट देने के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की पुरजोर वकालत की। पार्टी का कहना है कि यह कदम मतदाताओं को वोटर दमन या मनमाने ढंग से अयोग्य ठहराए जाने जैसी स्थितियों से सुरक्षा प्रदान करेगा। कांग्रेस का दावा है कि विशेष गहन संशोधन (एंई) प्रक्रिया के तहत विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं। जहां सही लोगों का भी नाम काट दिया गया इसके बाद कोर्ट के आदेश पर उनके नाम को दोबारा वोटर लिस्ट में जोड़ा गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को एक बार फिर से चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत का चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम कर रहा है और उसका कामकाज पूरी तरह पक्षपाती दिखाई दे रहा है। ऐसी परिस्थितियों में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाना चाहिए, ताकि उसे न्यायिक समीक्षा और संवैधानिक सुरक्षा का सर्वोच्च स्तर प्राप्त हो सके।रमेश ने बताया कि पिछले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया था। उन्होंने कहा कि यदि पैदल चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार माना जा सकता है, तो लोकतंत्र की बुनियाद माने जाने वाले मतदान के अधिकार पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए।उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों तथा आदिवासी एवं बहिष्कृत क्षेत्रों से संबंधित एक सलाहकार समिति गठित की थी।

गुना में अनियंत्रित कंटेनर पुल से नीचे गिरा, ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में बड़ा हादसा हो गया। पुलिया की दीवार तोड़कर कंटेनर गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गुना के चाचौड़ा थाना क्षेत्र में स्थित नेशनल हाईवे 46 पर रविवार सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच बीनागंज बाईपास पर दर्दनाक हादसा हुआ। शिवपुरी-गुना की ओर से ब्यावरा-भोपाल की तरफ जा रहा राजस्थान पासिंग एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पुल की दीवार तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। कंटेनर के पुलिया में गिरते ही उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में कंटेनर में सो रहा एक ड्राइवर की आग में जिंदा जलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गाड़ी चला रहा ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक का नाम मनोज बघेल बताया जा रहा है, जिसे उपचार के लिए बीनागंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। घटना की सूचना पर एसडीओपी मनोज झा, थाना प्रभारी नीरज राणा, नेशनल हाईवे 1033 के अधिकारी-कर्मचारी एवं नगर परिषद चाचौड़ा की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर में ट्रांसपोर्ट का सामान भरा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

नीट परीक्षार्थियों की सुविधा को दी प्राथमिकता, एयरपोर्ट पर 45 मिनट तक रुके रहे पीएम मोदी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को कोलकाता से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने के बाद अपने आवास की ओर प्रस्थान को कुछ समय के लिए टाल दिया ताकि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पुनर्परीक्षा देने वाले किसी भी अभ्यर्थी को यातायात पाबंदियों के कारण असुविधा नहीं हो। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री अपराह्न करीब 1.15 बजे हवाई अड्डे पहुंचे, लेकिन वहां से तुरंत लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास रवाना होने के बजाय वहीं रुके रहे। सूत्रों के अनुसार, चूंकि नीट परीक्षा अपराह्न दो बजे शुरू होनी थी, इसलिए प्रधानमंत्री ने परीक्षा शुरू होने के बाद ही आवास के लिए निकलने का निर्णय लिया, ताकि किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में परेशानी ना हो और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित ना हो।

'हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती', पीएम बोले- आत्मनिर्भरता ही नए भारत की पहचान

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल के कोलकाता पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना में तीन अत्याधुनिक युद्धपोतों और सर्वेक्षण पोतों को शामिल किए जाने को नए भारत की ताकत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में सिर्फ खरीददार बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि आत्मनिर्भरता के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आईएनएस अग्रय, आईएनएस दुनागिरी और आईएनएस संशोधक केवल जहाज नहीं हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प, भारतीय उद्योगों की क्षमता और देश के इंजीनियरों व श्रमिकों की मेहनत के प्रतीक हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारत की ताकत दुनिया का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने में है।

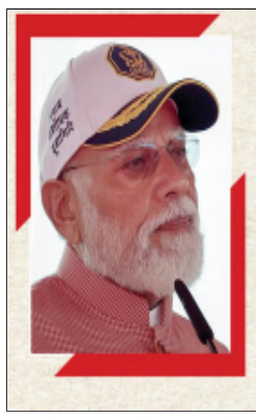

> मजबूत समुद्री क्षमता किसी भी देश के आर्थिक और सामरिक प्रभाव को तय करती है। भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ खरीददार देश बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी ताकत दुनिया का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने में है।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत की समुद्री ताकत को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक और सामरिक ताकत उसकी समुद्री क्षमता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अधिकांश व्यापार समुद्री मार्गों से होते हैं और वैश्विक डेटा नेटवर्क भी समुद्र के नीचे से गुजरते हैं। आने वाले समय में महत्वपूर्ण खनिज, गहरे समुद्र के संसाधन और नए ऊर्जा स्रोत भी समुद्र से ही जुड़े होंगे। ऐसे में भारत अपनी समुद्री शक्ति को लगातार मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस बात की गवाह है कि मजबूत समुद्री क्षमता के बिना कोई भी देश महाशक्ति नहीं बन सकता।

आईएनएस अग्रय, दुनागिरी और संशोधक क्यों हैं खास?

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना में शामिल किए गए आईएनएस अग्रय, आईएनएस दुनागिरी और आईएनएस संशोधक भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि ये तीनों पोत भारत में ही डिजाइन किए गए और भारत में ही बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन पोतों में भारतीय उद्योगों की प्रतिभा, इंजीनियरों के कौशल और श्रमिकों की मेहनत दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत से लेकर आज तक का सफर केवल नए युद्धपोतों का सफर नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता की यात्रा भी है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से आईएनएस संशोधक को भारत का सबसे उन्नत हाइड्रोग्राफी जहाज बताया।

'दुनिया का बाजार नहीं, आत्मनिर्भर भारत' से पीएम का क्या मतलब है?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में केवल हथियारों और उपकरणों का आयातक नहीं बनना चाहता। उन्होंने कहा, 'हमारी सैन्य शक्ति दुनिया का बाजार नहीं बन सकती। हमारी ताकत की परिभाषा दुनिया का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने में है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है और इसका असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

कोलकाता और बंगाल को लेकर पीएम ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल की धरती ने भारत के विचारों को नई दिशा दी है और देश के पुनर्जागरण में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सदियों से बंगाल ने समुद्र के जरिए भारत को दुनिया से जोड़ने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और विश्व हाइड्रोग्राफी दिवस के अवसर पर भारत के सबसे आधुनिक हाइड्रोग्राफी जहाज आईएनएस संशोधक को नौसेना में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, सुरक्षित और विकसित भारत के निर्माण में समुद्री शक्ति की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है।

दूषित मन और मलिन आत्मा वालों ने बुंदेलखंड को किया था बदनाम - योगी

सीएम ने महोबा में 697 करोड़ की 88 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण, शिलान्यास

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महोबा में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने योगाभ्यास पर जोर देते हुए विपक्षियों पर करारा प्रहार भी किया। योग शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा में समन्वय की प्रेरणा देता है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मस्तिष्क, स्वस्थ मस्तिष्क से स्वस्थ बुद्धि, स्वस्थ बुद्धि से स्वस्थ आत्मा होती है और स्वस्थ आत्मा ही लोककल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। जो लोग अवैध कब्जा करते हैं, नकारात्मक बुद्धि के साथ नकारात्मकता पैदा करते हैं। उनकी आत्मा मलिन और मन दूषित है। बीमार मानसिकता के साथ काम करने वालो ने प्रदेश को डुबोया बुंदेलखंड को बदनाम किया था। मोदी ग्राम में 697 करोड़ से अधिक की लागत से 88 विकासपरियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया। महोबा के विकास को समर्पित लघु फिल्म दिखाई गई। आज सुबह आप सभी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम से जुड़े। भारत के विरासत को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई। पीएम मोदी के नेतृत्व में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्यता से मनाया गया। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के किले के मैदान में मुझे भी जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रदेश के 57 हजार ग्राम पंचायतों, 825 विकास खंडों, 350 तहसीलों, 75 जनपदों, 762 नगर निकायों समेत अमृत सरोवर, ग्राम सचिवालय, विकास खंड, नगर निकाय, जिला मुख्यालय पर यह आयोजन हुए।सीएम ने गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली महोबा की आध्यात्मिकता, ऐतिहासिकता, वीरता पर प्रकाश डाला। 12-13 वर्ष बाद गोरखगिरि पर्वत पर ऊपर जा पाया। भोलेनाथ से प्रार्थना की, फिर बाबा गोरखनाथ की साधना स्थली गुफा व मंदिर में दर्शन किया। गोरखगिरि पर्यटन स्थल के नए केंद्र के रूप में स्थापित हुआ। गोरखगिरि में रोपवे लगाएंगे और इसे एडवेंचर टूरिज्म के केंद्र के रूप में विकसित करेंगे। सीएम ने महोबा महोत्सव से पहले इस पहाड़ी पर चढ़ने के लिए एक सप्ताह तक स्थानीय, जनपद, बुंदेलखंड, राज्य, राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताये और

यहां रेस्तरां, होटल आदि खोलने की संभावनाओं को बढ़ाने पर जोर दिया। आल्हा-उदल के शौर्य पराक्रम के प्रतीक अखाड़ों का निर्माण करके नौजवानों को वीर भाव के साथ प्रेरित कर सकें। महोबा ऊर्जा की भूमि है। महोबा कभी महोत्सव के लिए प्रसिद्ध था। यहां से निकलने वाले ग्रेनाइट पत्थर से केवल टाइल्स या मकान ही नहीं बनते बल्कि यह देश के नवनिर्माण में भूमि योगदान देती है। यह भूमि सिर्फ वीर-वीरांगनाओं को ही नहीं गढ़ती, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका का भी निर्माण करती है। चंदेल राजाओं ने जल संरक्षण के लिए तालाब खोदकर इस भूमि पर लोक कल्याण कार्यक्रम को बढ़ाया। हमारी सरकार ने दशावरी पान को जियो टैग के साथ वैश्विक मान्यता दिलाई है। माटी का प्रभाव है कि यहां पैदा होने वाले इस पान का स्वाद कहीं और नहीं मिलता। दशकों पहले बनी अर्जुन सहायक परियोजना पूरी नहीं हो पाई। हमारी सरकार ने इसे मिशन मोड पर लेकर इसे पूरा कराया और 2021 में परियोजना के लोकार्पण में पीएम मोदी को बुलाया। तटमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार जब बुंदेलखंड आया तो यहां की कनेक्टिविटी, खनन, वन, हावी भूमाफिया को देखकर भौचक हो गया। यहां की बहनें मिट्टी का घड़ा ढोकर जीवन काट देतीं थीं, लेकिन हमने बहनों, बेटियों व माताओं के लिए हर घर जल की योजना को लागू की। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाकर बुंदेलखंड को एक्सप्रेसवे से जोड़ा। यहां का जवान सेना में भर्ती होकर राष्ट्र की रक्षा करता है तो बुंदेलखंड में बनने वाली तोप-बंदूक से दुश्मन थरथरा उठता है।

आरडीवीवी दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश- भारतीय संस्कृति, आधुनिक सोच का संगम बनें विवि

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ छात्रों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान और जुड़ाव की भावना भी विकसित करनी चाहिए।उन्होंने कहा, 'विश्वविद्यालयों और संस्थानों से यह उम्मीद की जाती है कि वे आधुनिकता के साथ-साथ छात्रों में भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना भी पैदा करें।' रानी दुर्गावती, जिनके नाम पर यह विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है, त्याग, कड़ी मेहनत और समर्पण की मिसाल थीं। मुर्मू ने बताया कि उन्हें गोंडवाना साम्राज्य की महान शासक के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि रानी दुर्गावती महिला सशक्तिकरण के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि विकास की दौड़ में पीछे रह गए लोगों को आगे लाना और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करना ज़रूरी है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के करीबी पर शिकंजा, सुमित रॉय पर धोखाधड़ी और जालसाजी का नया केस दर्ज

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में उनके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का नया मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, सुमित रॉय पहले से ही एक कथित जमीन कब्जा मामले में आरोपी हैं। इस मामले में उनकी तलाश की जा रही है और पश्चिम बंगाल पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। सुमित रॉय काफी समय से फरार बताए जा रहे हैं। हाल ही में पुलिस ने सुमित रॉय की तलाश में कोलकाता स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास पर भी तलाशी अभियान चलाया था, लेकिन वह वहां नहीं मिले।

देबरा थाने में दर्ज हुआ नया मामला

रविवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पश्चिम मेदिनीपुर जिले के

देबरा थाने में सुमित रॉय के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि रॉय ने फर्जीवाड़ा और धोखे से संबंधित गतिविधियों को अंजाम दिया। इस मामले में गिरफ्तार पूर्व विधायक सुजॉय हाजरा का नाम भी शिकायत में शामिल किया गया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आरोपों के बारे में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी दस्तावेजों और तथ्यों को खंगाला जा रहा है और जरूरत पड़ने पर स्थानीय पुलिस को हर संभव सहायता दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, 'हम शिकायत की सामग्री की जांच कर रहे हैं और संबंधित दस्तावेज एकत्र किए जा रहे हैं। सभी आरोपों का सबूतों के आधार पर सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी'।

सभी नामजद लोगों से होगी पूछताछ

पुलिस का कहना है कि शिकायत में जिन लोगों के नाम शामिल हैं, उनसे पूछताछ की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि कथित अपराध में उनकी कोई भूमिका थी या नहीं। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पूर्व विधायक सुजॉय हाजरा को हाल ही में शालबनी पुलिस ने एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया था। वहीं, सुमित रॉय की तलाश अभी भी जारी है और पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

जनता दर्शन में उपमुख्यमंत्री ने प्रयागराज में लोगों की सुनीं समस्याये

वैश्विक मंच पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं हमारे खिलाड़ी-केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज प्रयागराज सर्किट हाउस में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आए स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने आमजन की शिकायतों एवं मांगों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसामान्य की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से न्याय एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जनता दर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने सड़क, विद्युत, पेयजल, आवास, राजस्व, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। श्री मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए तथा किसी भी पात्र

व्यक्ति को शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने दिया जाए। होटल प्लेसिड में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के युवा खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा खेल जगत से जुड़े पदाधिकारियों से भेंट कर खेलों के विकास, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, खेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा नई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रदेश और देश के युवा खिलाड़ियों में असीम प्रतिभा है, जिसे उचित मार्गदर्शन, संसाधन एवं अवसर प्रदान कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धियों में परिवर्तित किया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश में खेलों के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। 'खेलो इंडिया' अभियान के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को पहचान, प्रोत्साहन, विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत के खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार भी खेल प्रतिभाओं के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा प्रदेश के युवाओं को खेलों के माध्यम से नई पहचान और बेहतर भविष्य प्रदान करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

अयोध्या मामले में केजरीवाल का बयानः

कहा- केवल 200 करोड़ की नकदी चोरी, कई बड़े नाम शामिल; लेकिन नहीं हुई एफआईआर

नई दिल्ली।अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने करोड़ों रुपये की कथित चोरी और एफआईआर नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि मामले में कई बड़े नाम शामिल बताए जा रहे हैं। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े गड़बड़ी मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। मामले में लगातार नए दावे और आरोप सामने आने के बीच विपक्ष ने भाजपा पर हमला तेज कर दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने वीडियो जारी कर केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को निशाने पर लेते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि 'अयोध्या के राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चोरी हुई है। उन्होंने कहा कि केवल नकदी के रूप में ही करीब 200 करोड़ रुपये चोरी होने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद अब तक न तो कोई एफआईआर दर्ज की गई है। यूपी

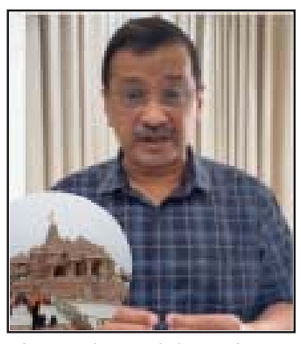

पुलिस, ईडी या सीबीआई किसे ने एफआईआर दर्ज नहीं किया है।' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि खबरें हैं कि इस मामले में कई बड़े नाम शामिल हैं। यदि निष्पक्ष जांच हुई तो बड़े खुलासे हो सकते हैं। अगर इस मामले में कार्रवाई हुई तो सरकार भी गिर सकती है।

'डर नहीं, आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें', पुनर्परीक्षा से पहले छात्रों से बोले धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देशभर के छात्रों से बिना किसी डर और तनाव के परीक्षा देने की अपील की है। रविवार को करीब 22 लाख छात्र-छात्राएं नीट पुनर्परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं। ऐसे में धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूरी निडरता और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, शिक्षकों और छात्रों पर पूरा भरोसा है। शिक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है, जब नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई है।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि देशभर के लगभग 22 लाख छात्र कुछ ही घंटों में नीट पुनर्परीक्षा देने जा रहे हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे किसी भी प्रकार की चिंता या भय के बिना परीक्षा में शामिल हों। प्रधान ने कहा कि छात्रों को निडर होकर और बिना किसी तनाव के परीक्षा देनी चाहिए। वे निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।धर्मेंद्र प्रधान ने लोगों से अपील की कि वे ऐसा कोई भी काम न करें, जिससे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़े। उन्होंने कहा कि भारत की नई पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि परीक्षा से ठीक पहले किसी भी तरह की अफवाह, भ्रामक जानकारी या अनावश्यक विवाद बच्चों के मनोबल को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को मजाक का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।बिना किसी का नाम लिए धर्मेंद्र प्रधान ने कुछ 'तथाकथित जिम्मेदार लोगों' के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शनिवार को कुछ लोगों ने गलत मंशा से ऐसे कदम उठाए, जिससे छात्रों को मानसिक परेशानी हुई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यदि कोई खुद को जिम्मेदार नागरिक मानता है, तो उसे बच्चों को और अधिक तनाव नहीं देना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि परीक्षा के समय छात्रों को सकारात्मक माहौल दिया जाए।

> आज लगभग 22 लाख छात्र कुछ ही देर में नीट परीक्षा में बैठने जा रहे हैं। उन्हें निडर होकर और बिना किसी चिंता के परीक्षा देनी चाहिए। वे निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मुझे राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, शिक्षा जगत और छात्रों पर पूरा भरोसा है।
>
> धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नीट पुनर्परीक्षा क्यों कराई जा रही है?

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की व्यापक जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। जांच के बीच सरकार ने निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षा कराने के लिए पुनर्परीक्षा कराने का फैसला किया। इस बार परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता न हो।नीट पुनर्परीक्षा के लिए देशभर में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी और जिला प्रशासन की विशेष व्यवस्था की गई है। एनटीए और राज्य सरकारों ने दावा किया है कि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी। ऐसे में छात्रों और अभिभावकों की उम्मीद है कि इस बार परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह सुचारु और विवादों से दूर रहेगी।

'मैं एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना आ गया': उद्धव गुट को सांसद नागेश आष्टीकर ने दिया झटका, शिंदे का दामन थामा

छत्रपति संभाजीनगर। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर ने रविवार को साफ कर दिया कि वह अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हैं। पिछले कई दिनों से उनके पार्टी छोड़ने की अटकलें लग रही थीं, जिन पर उन्होंने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में आष्टीकर ने कहा कि उन्होंने अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं किया है। उनका कहना था कि वह 'एक शिवसेना से दूसरी शिवसेना' में गए हैं। उन्होंने दावा किया कि 18 जून तक उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने कोई फैसला नहीं लिया था, लेकिन उसके बाद उनके खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों ने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

सम्पादकीय

हानिकारक दवाएं

केंद्र सरकार ने 16 ऐसी दवाओं पर रोक लगाने का फैसला किया, जिन्हें दो या इससे अधिक औषधियों को मिलाकर उन्हें गोली, कैप्सूल या सीरप के रूप में बनाया जाता है। फिक्स्ड डोज कांबिनेशन यानी एफडीसी कही जाने वाली इन दवाओं के निर्माण, वितरण और बिक्री पर रोक इसलिए लगानी पड़ी, क्योंकि यह पाया गया कि उनके उपयोग का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं था और उनका लगातार इस्तेमाल हानिकारक भी था। प्रश्न यह है कि यदि ऐसा था तो फिर इन दवाओं को बनाने और बेचने की अनुमति दी ही क्यों गई? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि यह कदम जनस्वास्थ्य की रक्षा करने, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने और लोगों के लिए केवल वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।आखिर यह काम समय रहते क्यों नहीं किया गया? ध्यान रहे इनमें से कई दवाएं ऐसी हैं, जो न जाने कब से बन और बिक रही थीं। यह पहली बार नहीं है, जब एफडीसी दवाओं पर रोक लगाई गई हो। इसके पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई एफडीसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।किसी के लिए भी यह समझना कठिन है कि आखिर एफडीसी या फिर अन्य दवाओं की उपयोगिता, गुणवत्ता आदि की पहले ही जांच-परख क्यों नहीं होती? यहां इसकी भी अनदेखी न की जाए कि 16 दवाओं की जांच-परख सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश के बाद की गई। एक तरह से जो काम सरकार को अपने स्तर पर करना चाहिए था, वह उसने तब किया, जब सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए उसे निर्देश दिया। इससे यही पता चलता है कि अपने देश की दवा नीति ठीक नहीं।इसके प्रमाण भी मिलते रहते हैं। रह-रहकर दोयम दर्जे की या फिर नकली दवाओं के मामले सामने आते ही रहते हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन जब भी दवाओं की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट जारी करता है तो यही सामने आता है कि तमाम दवाओं के सैंपल फेल पाए गए। कई बार दवाओं के सैंपल इतने खराब होते हैं कि राज्य सरकारों को संबंधित दवा कंपनियों के लाइसेंस निलंबित करने पड़ते हैं। इसके बाद भी घटिया, नकली दवाओं के बनने और बिकने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।सबसे चिंताजनक स्थिति कफ सीरप की है। पिछले वर्ष विषाक्त कफ सीरप के सेवन से 20 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सरकार घटिया कफ सीरप बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्ती बरतती दिखाई दी, लेकिन सच यह है कि ऐसे कफ सीरप का निर्माण थम नहीं रहा है। अब सरकार ने यह तय किया है कि बिना डाक्टरों के पर्चे के कफ सीरप नहीं मिलेगा। कोई भी समझ सकता है कि घटिया कफ सीरप बनने और बिकने की गंभीर समस्या के समाधान का यह प्रभावी तरीका नहीं।

एक नाजुक समझौता

संजय गुप्त

आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति को इजरायल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ छेड़े गए एक अनावश्यक युद्ध के उपरांत उसके साथ अंतरिम समझौता करना ही पड़ा। फिलहाल यह समझौता नाजुक लगता है। लेबनान के समझौते का हिस्सा होने के बाद भी इजरायल ने गत दिवस जिस तरह उस पर हमला किया, उससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या अमेरिका और ईरान अगले 60 दिन आपसी बातचीत के जरिये अनसुलझे मुद्दों को सुलझा सकेंगे? इजरायल और अमेरिका के लिए यह चिंता की बात है कि ईरान हमास, हिजबुल्ला और हाउती जैसे उन संगठनों की मदद करता है, जो इजरायल के लिए खतरा बने हुए हैं। हालांकि ट्रंप लेबनान को लेकर इजरायल को संयमित रहने के लिए चेता रहे हैं, लेकिन क्या ईरान हिजबुल्ला पर लगाम लगाने की गारंटी लेने को तैयार है? यदि ईरान हिजबुल्ला पर लगाम नहीं लगाता तो इजरायल के लिए यह संभव नहीं होगा कि वह लेबनान में उसे निशाना न बनाए।

अमेरिका-ईरान युद्ध में जो अबूझ पहेली है, वह यह कि आखिर ट्रंप को ईरान के विरुद्ध युद्ध छेड़ने की जरूरत ही क्या थी? ईरान पिछले कई वर्षों से यूरेनियम का संर्वधन कर रहा था और माना जाता है कि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा था। इससे इजरायल के साथ खाड़ी के देश भी चिंतित थे। ईरान के परमाणु हथियार बनाने के इरादे को देखते हुए अमेरिका ने उस पर प्रतिबंध लगा रखे थे। इसके चलते ईरान के लिए अन्य देशों से व्यापार करना कठिन हो गया था। चूंकि अमेरिका सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है, इसलिए कोई देश उसके प्रतिबंधों की अनदेखी कर ईरान से व्यापार करने का साहस नहीं जुटा पाता था। ईरान चीन के अलावा उन देशों को ही तेल बेच पा रहा था, जो अमेरिकी प्रतिबंधों की परवाह नहीं करते। वह अपना कुछ तेल चोरी-छिपे भी बेच रहा था। हालांकि उसकी अर्थव्यवस्था लगातार कमजोर हो रही थी, लेकिन वह परमाणु हथियार बनाने के अपने इरादे को छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख था।आम धारणा है कि अमेरिका ने इजरायल के कहने पर ईरान पर हमला किया। ट्रंप इससे भी नाराज थे कि ईरान भारी दबाव के बाद भी परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में जुटा है। अमेरिका-इजरायल की ओर से ईरान को निशाना बनाते ही उसने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का निकलना बंद कर दिया। इसके अलावा उसने खाड़ी देशों के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। खाड़ी के देश अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर हैं। ईरान ने उनके यहां हमला कर यह संदेश दिया कि वे अमेरिकी सैन्य संरक्षण में सुरक्षित नहीं। ईरान के पास मिसाइलों के साथ सस्ते, किंतु घातक क्षमता वाले ड्रोन का जखीरा था। इसी कारण वह अमेरिका के हमलों का जवाब देता रहा। अरबों डालर खर्च कर ईरान पर हमले करने के बावजूद अमेरिका उसकी सैन्य क्षमता को

कुंद नहीं कर सका। अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने एक समस्या यह भी आ गई थी कि ईरान के खिलाफ लंबे समय तक युद्ध जारी रखने के लिए उन्हें संसद से अनुमति लेनी पड़ती और वह उन्हें मिलनी बहुत कठिन थी। शायद इसी कारण वे समझौता करने के लिए बाध्य हुए। हालांकि इस समझौते को वे अपनी जीत बता रहे हैं, लेकिन ऐसा ही दावा ईरान भी कर रहा है। यह ठीक है कि ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने का वादा किया है, लेकिन क्या इजरायल इस पर भरोसा कर सकता है? यह देखना होगा कि अमेरिका और ईरान के बीच जो अंतरिम समझौता हुआ, वह अंतिम समझौते में तब्दील हो पाता है या नहीं?

अमेरिका इससे तो चिंतित है कि ईरान चोरी-छुपे परमाणु हथियार बनाना चाहता है, लेकिन सब जानते हैं कि पाकिस्तान ने भी चोरी-छुपे परमाणु हथियार बनाए और अमेरिका ने उस पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाए। उसने पाकिस्तान को इसके लिए भी दंडित नहीं किया कि वह तमाम आतंकी समूहों को पाल रहा है। चूंकि अमेरिका दोहरे रवैया का परिचय देने में माहिर है, इसलिए विश्व में उसकी छवि और प्रतिष्ठा गिरती चली जा रही है। एक समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस पाकिस्तान को धोखेबाज करार दिया था, उससे ही वे दोस्ती बढ़ाने में लगे हुए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने उसे यह अवसर प्रदान किया कि वह अमेरिका और ईरान के बीच समझौता कराने की भूमिका निभाए। हालांकि इस समझौते में कुछ अन्य देशों की भी भूमिका है, लेकिन अमेरिका ने ईरान से समझौता करने के लिए जिस तरह पाकिस्तान का साथ लिया, उससे उसे अपने को शांति का समर्थक बताने का मौका मिल गया है, जबकि सब जानते हैं कि वह एक गैर-जिम्मेदार राष्ट्र है और उसकी ऐसी हैसियत भी नहीं कि वह अमेरिका और ईरान के बीच समझौता करा सके। हैरानी नहीं कि उसे महज संदेशों का आदान-प्रदान करने वाले देश के रूप में देखा गया। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद होर्मुज समुद्री मार्ग खुल गया है और जहाजों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम नरम पड़े हैं। इसका सीधा लाभ भारत के साथ विश्व के तमाम देशों को मिलेगा। आशा की जाती है कि बीते लगभग सौ दिनों में तेल, गैस और उर्वरकों के दाम बढ़ने के कारण विश्व अर्थव्यवस्था को जिन कठिनाइयों से गुजरना पड़ा, उनका धीरे-धीरे समाधान होगा।

यदि अमेरिका-ईरान के बीच समझौता कारगर साबित होता है तो इससे पश्चिम एशिया में शांति बनाए रखने के साथ विश्व अर्थव्यवस्था को भी राहत मिलेगी, क्योंकि होर्मुज से विश्व के पांचवें हिस्से की ऊर्जा का निर्यात होता है। समझौते के तहत अमेरिका ने ईरान पर जो तमाम प्रतिबंध लगा रखे थे, उन्हें हटा लिया है। इसके चलते अब भारत भी उससे तेल खरीदने में समर्थ हो जाएगा। वह ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह का विकास भी कर सकता है। ईरान से तेल आयात इसलिए लाभकारी है, क्योंकि वह रूस, अमेरिका और वेनेजुएला की तुलना में कुछ सस्ता पड़ेगा। समझौते के तहत अमेरिका इसके लिए भी तैयार हुआ कि वह ईरान के विकास के लिए 300 अरब डालर के एक कोष की स्थापना में मदद करेगा। इसकी अमेरिका में आलोचना हो रही है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन कुल मिलाकर यह समझौता विश्व के लिए राहतकारी है।

ईरान को अमरीका पर एक रणनीतिक बढ़त

क्या अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच 17वीं सदी के फ्रांसीसी महल वर्साय में 17 जून को हस्ताक्षरित अमरीका-ईरान समझौता स्थायी शांति लाएगा? या फिर यह एक ऐसी शांति साबित होगा, जो दोनों देशों के बीच अगले युद्ध की तैयारी के लिए एक छोटी अवधि बनकर रह जाएगी? सबसे पहले, यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि अमरीका और इसराईल ने मिलकर काम करते हुए भी न तो ईरान को हराया है और न ही वह सत्ता परिवर्तन हासिल कर पाए हैं, जिसके लिए वे निकले थे, हालांकि ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को एक इसराईली हवाई हमले में मारे गए थे। नया शक्ति संतुलन रू ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमरीकी चिंताएं बनी हुई हैं लेकिन इसे समाप्त करने के लिए बातचीत की अवधि को 60 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। तेहरान को, हालांकि, बैलिस्टिक मिसाइलें रखने की 'अनुमति' दी जाएगी क्योंकि ट्रम्प का मानना है कि यदि सऊदी अरब और कतर सहित अन्य देशों के पास ये मिसाइलें हैं, तो पूरी निष्पक्षता के साथ ईरान के पास भी होनी चाहिएं। कुछ हद तक उल्लेखनीय रूप से, अमरीका ईरान को 'पुनध्र्नर्माण' के लिए 300 अरब डॉलर की सहायता प्रदान करेगा और वाशिंगटन ईरान पर से 'सभी प्रकार के प्रतिबंधों' को समाप्त कर देगा। हॉर्मुज पर से नाकेबंदी हटाने और जलडमरूमध्य के माध्यम से मुक्त आवागमन को बहाल करने के बदले में तेहरान को अब आध्थक राहत मिलेगी। हॉर्मुज में नौवहन को बंद करने की ईरान की क्षमता, उसकी बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में उसकी खुली वापसी के साथ, 4 महीने तक भारी बमबारी झेलने के बावजूद उसे पश्चिम एशिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक के रूप में स्थापित करेगी। महीनों की तबाही और वैश्विक आर्थिक व्यवधान के बाद आया यह परिणाम, ट्रम्प के दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों की सबसे बड़ी विदेश नीति विफलता को दर्शाता है, जिसके परिणाम पश्चिम एशिया में अमरीका की रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पहले से कहीं अधिक कठिन बना देंगे। पश्चिम एशियाई देश और अन्य देश भी इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि अमरीका ईरान जैसे कमजोर देश के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल करने में विफल रहा। वाशिंगटन ने खुद को अविश्वसनीय, अप्रत्याशित और सनकी भी दिखाया। इससे स्थिरता बनाए रखने की वाशिंगटन की क्षमता पर क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वास को ठेस पहुंचेगी। अमरीका की साख कम हुई है रू इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर ट्रम्प ने युद्ध समाप्त करने और लेबनान पर हमले रोकने का दबाव डाला था।

स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग, जिंदगी में जीवंतता का समावेश

सी.पी. राधाकृष्णन

सदियों से, भारत की एक अनूठी पहचान रही है। उसकी यह पहचान 'वसुधैव कुटुंबकम'- यानी पूरी दुनिया को एक इकाई और सभी जीव-जंतुओं को एक मानने- की महान सोच में निहित रही है। भारत के इस आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित, योग एक ऐसी प्राचीन विद्या है जो शरीर, मन और आत्मा के बीच एक संतुलन स्थापित करती है। योग के मूल तत्वों में आसन (शारीरिक मुद्राएं), प्राणायाम (सांस लेने की तकनीकें) और ध्यान शामिल हैं। इन तत्वों का मेल शारीरिक स्वस्थता, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बेहतर बनाता है। दिनांक 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया को रहने योग्य और स्थिर बनाने के उद्देश्य से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाने की जरूरत पर बल दिया था। उन्होंने कहा कि योग मन एवं शरीर, सोच एवं कर्म, संयम एवं संतुष्टि के बीच एकता, इंसान एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य और सेहत एवं कल्याण से संबंधित एक समग्र दृष्टिकोण का संगम है। माननीय प्रधानमंत्री के आग्रह पर, 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' घोषित करने से संबंधित 174 से अधिक देशों के सम्मिलित प्रस्ताव को मंजूरी दी। वर्ष 2015 से, दुनिया भर में लाखों लोग सार्वजनिक जगहों पर इकट्ठा होकर एक साथ योग करते हैं और इस प्रकार हमारे प्राचीन ज्ञान को एक वैश्विक आंदोलन का रूप देते हैं। इस वर्ष 21 जून को प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी जहां कोलकाता में योग दिवस की अगुवाई करेंगे, वहीं मैं इस समारोह में भाग लेने के लिए लद्दाख में रहूंगा। भारत की एक शाश्वत विरासत रू माना जाता है

कि शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक कल्याण से संबंधित 'योग' के कालजयी अभ्यास की शुरुआत हमारी सभ्यता के उदय के साथ ही हुई थी। योग की परंपरा में भगवान शिव को जहां सबसे पहला योगी या 'आदि योगी' और सबसे पहला गुरु या 'आदि गुरु' माना जाता है, वहीं योग के सिद्धांतों को 'योग सूत्र'में व्यवस्थित रूप से संकलित के कारण महर्षि पतंजलि को 'शास्त्रीय योग का जनक' माना जाता है। हर वर्ष हमारे देश में अंतराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और एक सार्थक विषय के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष के विषय 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' का खास महत्व है। स्वास्थ्य सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में हुई उल्लेखनीय प्रगति और मृत्यु दर में आई कमी के कारण दुनिया भर में लोगों की औसत आयु बढ़ी है। भारत भी आबादी में हो रहे इस बड़े बदलाव का साक्षी बन रहा है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यू.एन.एफ.पी.ए.) की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023' के अनुसार, 2050 तक भारत में हर पांच में से लगभग एक व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष से अधिक होगी। आज के दौर में आयु बढने से जुड़ी हकीकतों ने इस तथ्य को उजागर किया है कि बुजुर्ग लोग कैसे विभिन्न प्रकार की मुश्किलों एवं कमजोरियों के जटिल जाल से जूझ रहे हैं। इस संदर्भ में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दुनिया भर में बुजुर्गों के बीच गैर-संचारी रोगों, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और सामाजिक अलगाव के बढ़ते बोझ को बार-बार रेखांकित किया है। मेरा भी यह मानना है कि आज वक्त की यह मांग है कि लोगों को कम आयु से ही योग से जोड़ा जाए। योग का अभ्यास जितनी जल्दी शुरू किया जाए, जीवन भर उसके उतने ही अधिक लाभ मिलते हैं। योग-आज के दौर में बुढ़ापे से जुड़ी समस्याओं का समाधान रू नैशनल इंस्टीच्यूट्स ऑफ हैल्थ (एन.आई.एच) एवं हार्वर्ड मैडिकल स्कूल जैसे बड़े संस्थानों और 'लैंसेट' जैसी कई प्रतिष्ठित शोध-पत्रिकाओं ने अपने शोधों में इस तथ्य को दर्शाया है कि नियमित रूप से योग करने से बुजुर्गों में संतुलन, लचीलापन और चलने-फिरने की क्षमता सुरक्षित रूप से बेहतर होती है। इससे उनके गिरने का डर और जोखिम काफी कम हो जाता है। शोधों से यह भी पता चला है कि योग से हड्डियों की मजबूती (बोन डैंसिटी) बढ़ती है, गठिया का दर्द कम होता है, सांस लेने की क्षमता बेहतर होती है, रक्तचाप (ब्लड प्रैशर) स्थिर रहता है और मानसिक सेहत अच्छी रहती है।

मेरे अपने अनुभव के अनुसार, अहम बात यह है कि 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' में बहुत अधिक शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती। पारंपरिक योग क्रियाओं को काफी सोच-समझकर ऐसे सरल एवं सुलभ तरीकों में ढाला गया है जो बुजुर्गों के लिए उपयुक्त हैं। इनमें यौगिक सूक्ष्म व्यायाम (जोड़ों की हल्की हरकतें), कुर्सी की मदद से किए जाने वाले आसन, सांस लेने की निर्देशित तकनीकें और ध्यान जैसी क्रियाएं शामिल हैं। ये सब बढ़ती आयु के शरीर पर बिना कोई दबाव डाले न्यूरो एंडोक्राइन प्रणाली और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

साथ ही, योग उन देखभाल करने वालों और परिवार के सदस्यों के लिए भी हौसले एवं सहनशक्ति का स्रोत है, जो बुजुर्गों की देखभाल की भावनात्मक तथा शारीरिक जिम्मेदारियां उठाते हैं। इन व्यापक लाभों को देखते हुए, आयुष मंत्रालय ने 'गैर-संचारी रोगों और लक्षित समूहों के लिए योग की 10 विधाओं' से जुड़ी एक अहम पहल शुरू की है। इसमें बुजुर्गों की सेहत के लिए खास तौर पर साक्ष्यों पर आधारित योग मॉड्यूल भी शामिल है। इसके अलावा, 100 दिनों का मुफ्त निर्देशित ऑनलाइन योग कार्यक्रम प्रदान करने वाले 'योग 365' पहल नाम के एक देशव्यापी अभियान को कुछ इस तरह से तैयार किया गया है ताकि योग सभी आयु के नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी का एक सहज एवं स्थायी साथी बन सके। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर मैं हर नागरिक, शिक्षण संस्थान, नागरिक समाज संगठन, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवर और समुदायों के नेता से आग्रह करता हूं कि वे योग को केवल कभी-कभार की जाने वाली कसरत के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर चलने वाली सांस्कृतिक एवं सेहत से जुड़ी एक आदत के तौर पर अपनाएं। किसी समाज की असल पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों का कितना ख्याल रखता है। इसलिए, आइए हम एक ऐसा ईकोसिस्टम बनाने की कोशिश करें जहां हमारे बुजुर्ग डर, निर्भरता या अकेलेपन के बीच नहीं, बल्कि सम्मान, जोश, सार्थक उद्देश्य और शांति के साथ जीवन जी सकें।

त्रिभाषा फार्मूला 2026-27 से छठी, नौवीं कक्षा में लागू होगा

प्रो. निरंजन कुमार

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती, इसका एक समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र भी होता है। खासतौर से जब भाषा का परिप्रेक्ष्य शिक्षा के संदर्भ में हो तो भाषा अपने समाजशास्त्र और आर्थिकी से आगे बढ़कर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से भी जुड़ जाती है। पिछले दिनों देश में सीबीएसई के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की योजना की घोषणा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह अलग बात है कि इस मुद्दे पर पूरे देश में एक विवाद खड़ा कर दिया गया है। यह संतोषजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के निर्णय पर रोक नहीं लगाई।भारत के प्रमुख स्कूली शिक्षा बोर्ड 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' (सीबीएसई) ने हाल में निर्णय लिया कि अकादमिक सत्र 2026-2027 से छठी और नवीं कक्षा से त्रिभाषा सूत्र को लागू किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र की अनुशंसा है। इसके अनुसार स्कूली स्तर पर तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। पहले भी एनईपी 1968 और एनईपी 1986 आदि में थोड़े से भिन्न रूप में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया गया था। एकाध को छोड़कर सभी राज्यों ने त्रिभाषा सूत्र को लागू किया, लेकिन दुर्भाग्य से सीबीएसई ने त्रिभाषा फार्मूले को आंशिक रूप से ही स्वीकारा था।सीबीएसई स्कूलों में छठी से आठवीं तक त्रिभाषा सूत्र लागू तो था, लेकिन तीसरी भाषा के तौर पर विदेशी भाषाओं की भी छूट थी, फिर नवीं और दसवीं में तो सीबीएसई ने सिर्फ द्विभाषा नीति ही अपनाई थी। उसमें भी छूट यहां तक कि स्कूल चाहें तो दोनों ही भाषाएं कोई गैर-भारतीय भाषा हो सकती थीं। इसका दुष्परिणाम हुआ कि महंगे पब्लिक स्कूलों में भारतीय भाषाओं को उपेक्षित किया जाने लगा। सीबीएसई की इन नीतियों

से कई विसंगतियां पैदा हो गई थीं।सीबीएसई एवं राज्य बोर्डों के विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण में असंतुलन की स्थिति बन गई थी। वर्तमान योजना का उद्देश्य देशभर में स्कूली शिक्षा में समानता एवं भाषाई एकरूपता स्थापित करना है। दूसरे, नवीं और दसवीं में जब बच्चों का व्यक्तित्व आकार लेना शुरू करता है, उस समय केवल विदेशी भाषाओं तक सीमित रह जाना, बच्चों को अपनी भारतीय संस्कृति से दूर करना है। भाषा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों का भी संचार करती है। आज बच्चों में त्याग, सेवा, सहिष्णुता, सामूहिकता, परिवार-भाव, बड़ों के प्रति आदर जैसे भारतीय मूल्यों का लोप हो रहा है। एनईपी 2020 का त्रिभाषा सूत्र बच्चों में क्षीण हो रहे इन भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करेगा। सीबीएसई के बच्चों को भी बहुभाषिकता की शक्ति का लाभ मिलेगा। साइको-लिंग्विस्टिक रिसर्च बताती हैं कि बच्चों में अनेक भाषाएं सीखने की सहज और असीम क्षमता होती है। एक से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान बच्चों में भारतीय भौगोलिक-सांस्कृतिक समझ को समृद्ध करेगा। इससे राष्ट्रीय एकता के भाव को मजबूती मिलेगी और विभाजनकारी भाषाई राजनीति कमजोर होगी। भाषा का एक अर्थशास्त्र भी होता है। भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन से इससे जुड़े प्रकाशन उद्योग और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा लोगों को देशभर में घुलने-मिलने, रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पर्यटन में आसानी होगी।विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। विरोध का एक कारण अंग्रेजी-शिक्षित आभिजात्य वर्ग की औपनिवेशिक दौर की 'मैकाले मानसिकता' भी है। एक अध्ययन के अनुसार तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई केवल एक प्रतिशत शहरी विद्यार्थी ही कर रहे हैं। भारतीय भाषाओं के अध्ययन की अनिवार्यता का विरोध इन्हीं के आभिजात्य अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के विरोध में ये लोग भाषा शिक्षकों की कमी, पाठ्यपुस्तकों का अभाव, छात्रों पर अतिरिक्त बोझ और तनाव, पहले से विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों की असुविधा आदि तर्क दे रहे हैं। ध्यान रहे कि सीबीएसई/एनसीईआरटी द्वारा कक्षा छह के लिए सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लगभग तैयार हैं।नवीं कक्षा में त्रिभाषा नीति 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी। इसके लिए 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए इस वर्ष एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग कर सकेंगे। शिक्षकों के लिए नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर आनलाइन पद्धति में अन्य स्कूलों से सहयोग कर शिक्षण कार्य असंभव नहीं। केवल एक और भारतीय भाषा की पढ़ाई को अतिरिक्त बोझ बताना, सही समझ का अभाव है। विभिन्न राज्यों में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। पहले से विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिए वर्तमान में तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का रखा जाएगा।

मानवीय क्षमताएं बढ़ाता है योग

गिरीश्वर मिश्र

शास्त्रों में उल्लेख है कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थ के लिए आरोग्य उत्तम मूल यानी मुख्य आधार है। इसका निहितार्थ यही है कि तन और मन में संतुलन बना रहे। आरोग्य यानी निरोगी रहना विकारों से मुक्त रहना है। यही हमारा स्वभाव है और उसे बनाए रखना हर प्राणी का कर्तव्य होता है। प्रकृति ने हमारी संरचना इसी प्रकार से तैयार की है, लेकिन आज के प्रतिस्पर्धी युग में उसके अनुरूप जीवन संचालन में समस्याएं आ रही हैं। विकार उत्पन्न हो रहे हैं। विकार बाधक होते हैं, जो आगे बढ़ने में रोड़ा तो अटकाते ही हैं, साथ ही हमारी शक्ति और ऊर्जा का अपव्यय भी करते हैं। इससे हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटकता है। आज के तेजी से डिजिटल हो रहे युग में बच्चे-बूढ़े सभी आमतौर पर ध्यान के भटकाव की शिकायत करते मिलते हैं।उनका चित्त स्थिर नहीं रह पाता है। इसके फलस्वरूप कोई काम ठीक से नहीं हो पाता और स्मृति भी कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर यह सबका अनुभव है कि ध्यानावस्थित या दत्तचित्त होकर ही कोई कार्य सिद्ध किया जा सकता है। 'ध्यान देना' और कुछ नहीं, अपनी चेतना के सतत प्रवाह को एक दिशा में ले जाना है। हम ध्यान को किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना में केंद्रित या फोकस करते हैं। इसी क्रम में अंतर्जगत और बाह्य जगत के साथ तालमेल बैठाना यानी ठीक तरह और ठीक जगह जोड़ना-जुड़ना आज की सबसे बड़ी चुनौती हो रही है। आज पूरे विश्व में मनोरोगियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। ऐसे में योग-शास्त्र और उसकी साधना बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। योग का अर्थ है जुड़ना, परंतु हर तरह का जुड़ना आकस्मिक या जानबूझकर मिलने का संयोग हो सकता है। योग-शास्त्र के अनुसार योग एक विशेष प्रकार से सायास जुड़ने का नाम है। योग विद्या के आलोक में अंतर और बाह्य जगत के साथ हमारा रिश्ता

नया ओजस्वी अर्थ प्राप्त कर लेता है। यम और नियम नैतिक जीवन जीने की प्रक्रिया बताते हैं तो आसन शरीर का रख-रखाव और उसकी क्षमता को संवर्धित करने का काम करते हैं। प्राणायाम हमारे श्वास और प्राणिक ऊर्जा को व्यवस्था करते हैं। प्रत्याहार बाह्य दुनिया के साथ विवेकपूर्ण संबंध को नियमित करता है। ध्यान, धारणा और समाधि अंतरंग योग हैं, जो चेतना के परिष्कार को संभव बनाते हैं। इसीलिए महर्षि अरविंद कहते हैं कि 'पूरा जीवन ही योग है।' वे योग को समग्र जीवन-दर्शन के रूप में प्रस्तुत करते हैं। सबसे जुड़कर ही अच्छी तरह से जीना संभव हो पाता है। उसके लिए आवश्यक तैयारी भी अनेक स्तरों पर करनी होती है। योग के जिस स्वरूप को महर्षि पतंजलि ने 'योग-सूत्र' में प्रस्तुत किया था, वह इसी तैयारी का माडल या नक्शा है। उसे अष्टांग योग कहकर वे यही कहना चाहते थे कि जैसे सभी अंगों से मिलकर शरीर बनता है, उसी तरह योग भी अनेक पक्षों से मिलकर बना है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि सबको मिलाकर ही योग की रचना पूर्ण होती है। किसी एक अंग (जैसे-आसन या प्राणायाम) मात्र को ही योग कहना अतिव्याप्त करने वाली बात है। इसलिए वह समझ और तदनुसार आचरण असंगत और दिग्भ्रमित करने वाला होगा। खेद है कि आज इसी तरह का भ्रम फैला हुआ है।योग वस्तुतः स्वयं को नियमित एवं व्यवस्थित करने की ऐसी पद्धति है, जो हमें अपना वास्तविक स्वरूप वापस दिलाती है। योग की यात्रा के साथ हम अपने दृश्य को दृश्य के रूप में और स्वयं को द्रष्टा के रूप में ग्रहण करना शुरू करते हैं। दृश्य के मजबूत बंधनों से छुटकारा पाना आसान नहीं है। हमारा चंचल मन तो सदैव दृश्य की ओर ही खिंचा रहता है। उसे दृश्य से वापस लेने या प्रत्याहार के लिए हमारे द्वारा सजग चेष्टा जरूरी होती है। गीता की मानें तो उसके लिए गहन अभ्यास और दृश्य विषय के प्रति आकर्षण कम करना होगा। उसके साथ बर्ताव तो करना होगा, परंतु आंखें मूंदकर नहीं, अपितु विवेक के साथ। उसके साथ हमें अनासक्त भाव से व्यवहार करना होगा। आंख, कान और नाक आदि स्वभाववश देखने, सुनने और सूंघने का काम तो करेंगे, पर क्या और कितना देखें, सुनें और सूंघें, यह इन ज्ञानेंद्रियों या बाहर उपस्थित विषयों पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह यांत्रिक ढंग से नहीं चलना चाहिए। आज जिस तरह बाजार हमारी जरूरतों को बता रहा है और हमें निर्देशित कर रहा है, वह सबके अनुभव का विषय है।भौतिक दुनिया के हमारे ज्ञान और आविष्कार की बदौलत आज हमारा दृश्य जगत तीव्र गति से अत्यंत गतिशील और निरंतर बदलने वाला होता जा रहा है। उसे देख और उससे जुड़ने के बाद जो रोमांच होता है, वह हमें अस्थायी दृश्य में सत्य के आभास देने के साथ उसे और दृढ़ता से बांधने वाला होता जा रहा है। भावी दृश्यों की शृंखला की कल्पना हमें उसकी अनित्यता, अस्थायित्व या मिथ्यापन को ढक लेती है। ऐसे दृश्य सतत अशांति को पैदा करते हैं, पर हमारी मजबूरी यह है कि दृश्य से बंधकर हम उनको क्लेश भी नहीं समझते, क्योंकि ऊपर से वे बड़े प्रिय लगते हैं। दृश्यों की विकराल विकट छाया हम पर इस तरह हावी होती जाती है कि हम उसी में खो जाते हैं।

3 स्वदेश भारत न्यूज हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र | प्रदेश | https://swadeshbhartnews

जौनपुर, मंगलवार 23 जून 2026

न्यूज डायरी

योग भारत की विश्व को दी गई अमूल्य धरोहर- शर्मा

स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त समाज की आधारशिला है योग

लखनऊ (यूएनएस)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मऊ स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा रहे। मुख्य अतिथि एके शर्मा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि परंपरा की वह अमूल्य धरोहर है, जिसने आज पूरे विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के फलस्वरूप संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता प्रदान की गई और आज विश्व के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन, बुद्धि और शरीर के समन्वय का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने महर्षि पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग, श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित 'योगः कर्मसु कौशलम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि योग का वास्तविक अर्थ अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं दक्षता के साथ निर्वहन करना है। इस अवसर पर जिलाधिकारी आनंद वर्धन, मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर दें विकसित भारत के निर्माण में योगदान- योगेंद्र

लखनऊ (यूएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग से विश्व कल्याण के विजन तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वस्थ एवं सशक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प के अंतर्गत प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फिरोजाबाद स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर योगाभ्यास किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से योग आज भारत की सीमाओं को लांघकर 190 से अधिक देशों में अपनाया जा रहा है। योग भारत की प्राचीन सनातन परंपरा की वह अमूल्य देन है जो सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को निरोगी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में योग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सशक्त हो सके। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का मूल आधार है। यह हमें अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

योगः कर्मसु कौशलम के मंत्र के साथ बेसिक शिक्षा मंत्री ने अलीगढ़ में किया योगाभ्यास

योग भारत की सांस्कृतिक विरासत से विश्व कल्याण का माध्यम बना- संदीप

लखनऊ (यूएनएस)। योगः कर्मसु कौशलम अर्थात योग से ही कर्म में कुशलता आती है, के भाव को आत्मसात करते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अलीगढ़ स्थित अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम में आयोजित भव्य सामूहिक योग कार्यक्रम में सहभागिता कर योगाभ्यास किया। मंत्री संदीप सिंह ने हजारों की संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में योग आज भारत की सांस्कृतिक विरासत से निकलकर विश्व कल्याण का सशक्त माध्यम बन चुका है। 21 जून 2015 को पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से शुरू हुई यह यात्रा आज वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाकर स्वस्थ, समर्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों में प्रतिदिन योग एवं प्रार्थना सभा को अनिवार्य किया गया है, ताकि बचपन से ही बच्चों में शारीरिक एवं मानसिक अनुशासन विकसित हो सके।

यूपीएसडीएम में फिट टू स्किल का संकल्प, एएमडी ने किया योगाभ्यास

लखनऊ (यूएनएस)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर मिशन निदेशक पूजा मिश्रा के नेतृत्व में यूपीएसडीएम की पूरी टीम ने सहभागिता कर फिट टू स्किल का संकल्प लिया। योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में अपर मिशन निदेशक पूजा मिश्रा सहित अधिकारियों कर्मचारियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। इसके अलावा कपालभाति, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम एवं ध्यान सत्र भी आयोजित किए गए। अपर मिशन निदेशक पूजा मिश्रा ने कहा कि योग केवल एक दिन का अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवन जीने की कला है। कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी की उत्पादकता तभी बढ़ेगी जब वह शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से शांत होगा। स्वस्थ शरीर और शांत मन से ही बेहतर कार्य परिणाम पाए जा सकते हैं।

कौम की उन्नति शिक्षा पर आधारित हैः मुफ्ती अतीकुर्रहमान

लखनऊ (यूएनएस)। मिल्लत व कौम की उन्नति शिक्षा प्राप्त करने पर आधारित है। शिक्षा से दूरी, अज्ञानता में वृद्धि, हमारे पीछे होने का कारण है। इस्लाम शिक्षा का दीन है। इस्लाम अज्ञानता का अन्त करता है और शिक्षा को फैलाता है। खुदा पाक के अन्तिम नबी पाक को पूरी दुनिया के लिए शिक्षक बनाकर भेजा गया। खुदा पाक ने अपनी पहली वही (आदेश) में शिक्षा का बयान फरमाया। नबी पाक ने मदीना शरीफ में सबसे पहली कक्षा की सुफ्फा में स्थापना की। इसी कक्षा के विद्यार्थियों ने पूरी दुनिया में शिक्षा का प्रकाश फैलाया और अज्ञानता के अन्धेरों को खत्म किया। इन शब्दों का इजहार दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल के अध्यापक मुफ्ती अतीकुर्रहमान ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के तत्वाधान में होने वाले दस दिवसीय जलसाहाय "शुहदाये दीने हक व इस्लाहे माआशरह" के अन्तर्गत दारूल उलूम फरंगी महल में पाँचवें जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना ने कहा कि खलीफाओं के दौर में इस्लाम का दायरा बहुत बढ़ा हुआ। पूरे पूरे देश इस्लाम के नूर से रौशन हुए। सहाबा रजि0 जहाँ भी इस्लाम के प्रचार व प्रसार के लिए गए वहाँ उन्होंने शिक्षा की रौशनी खूब फैलायी। यही कारण है कि आज दुनिया के जिस भाग में शिक्षा का वर्णन होता है वह इन पवित्र लोगों के मेहनत का फल है। उन्होंने कहा कि सहाबा रजि0 के दौर के बाद खुलफा के दौर में मुस्लिम देशों में शिक्षा का बाजार गरम था। साइंस, भूगोल, चिकित्सा, मार्डन मेडिसिन, गणित जैसे लाभदायक विषयों के उत्पादक मुसलमान ही हैं। जब हम ने शिक्षा का दामन छोड़ दिया, पतन ने हमको घेर लिया है। मौलाना ने कहा कि सहाबा जैसे पवित्र जमाअत की पैरवी करते हुए हम को चाहिए कि शिक्षा खूब प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यह जलसे इस्लाम के प्रचार व प्रसार के लिए बहुत लाभदायक हैं।

उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान ने योग प्रोटोकॉल के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी के अलीगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के निदेशक सर्वेश कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता सहित शासकीय अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह, संपर्क प्रमुख सचिन गुप्त, लेखाकार दिनेश मिश्रा, समाजसेवी रामू गुप्ता, भाजपा महामंत्री टिंकू सोनकर, विद्यालय के अध्यक्ष आर के गर्ग, प्रबंधक अभिनव भार्गव, कोषाध्यक्ष के. आर. कनौजिया तथा प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह, अनुराग साहू का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सुखी जीवन जीने की जीवनशैली है। उन्होंने सभी से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान निदेशक सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति है।

डिप्टी सीएम-डीएम समेत कई हस्तियों ने किया योग, पीएम मोदी का संबोधन भी सुना

लखनऊ (यूएनएस)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी लखनऊ के ऐतिहासिक रेजिडेंसी परिसर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योगासन और प्राणायाम कराए गए। सैकड़ों प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ योग कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का भी प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सुना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कार्यक्रम में योगाभ्यास करते हुए कहा कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का अभिन्न अंग है और यह तन तथा मन के बीच सामंजस्य स्थापित करने का शाश्वत माध्यम

है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति में नई चेतना का संचार होता है और वह स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। इस अवसर पर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। प्रतिभागियों ने योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प दोहराया। लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर योगासन किए। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ और तनावमुक्त जीवन का आधार है तथा हर व्यक्ति को प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालना चाहिए। इसके अलावा मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि योग न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक कल्याण की भावना को भी मजबूत करता है। रेजिडेंसी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी समेत कई जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, योग प्रशिक्षकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, युवा, बुजुर्ग, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों ने योगाभ्यास में हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने कहा कि नियमित योग से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं और बीमारियों से बचाव में भी मदद मिलती है। साथ ही लोगों को स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आईएमए लखनऊ का सामूहिक योगाभ्यास

लखनऊ (यूएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, लखनऊ शाखा द्वारा आईएमए भवन, लखनऊ में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईएमए लखनऊ के चिकित्सकों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर प्रयाग आरोग्यम् केंद्र, योग प्रशिक्षण एवं योगाभ्यास केंद्र, की योग गुरु ज्योति यादव जी ने सभी प्रतिभागियों को लगभग एक घंटे तक योगाभ्यास कराया। उन्होंने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अभ्यास करवाए। साथ ही उन्होंने नियमित योग को स्वस्थ जीवनशैली, तनाव नियंत्रण और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से आईएमए लखनऊ की सचिव डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष डॉ. रुक्साना मैम, डॉ. नीरज टंडन, डॉ. सरस्वती, डॉ. शाश्वत सक्सेना, डॉ. निरुपमा सहित कई अन्य चिकित्सकों एवं सदस्यों ने सहभागिता की।इस अवसर पर आईएमए लखनऊ की सचिव डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की निरंतर प्रक्रिया है। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में चिकित्सकों के लिए भी योग अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ चिकित्सक ही समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और सही प्रेरणा दे सकता है।उन्होंने कहा कि नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान से शरीर स्वस्थ रहता है, मन शांत होता है और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। आईएमए लखनऊ का उद्देश्य है कि चिकित्सक स्वयं स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और समाज को भी योग, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या के लिए प्रेरित करें।डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने योग गुरु ज्योति यादव जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने सरल और उपयोगी योगाभ्यास किया। उन्होंने सभी चिकित्सकों और सदस्यों से अपील की कि वे योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।आईएमए लखनऊ शाखा ने इस अवसर पर संदेश दिया कि चिकित्सक समाज को स्वस्थ रहने की प्रेरणा देने के साथ-साथ स्वयं भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लें।

एनएचएआई के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया

लखनऊ (यूएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय, गोमती नगर सहित इसकी सभी परियोजना कार्यान्वयन इकाइयों (पीआईयू) और टोल प्लाजाओं पर सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने उन्हें इन विधियों का अभ्यास कराया और योग के शारीरिक, मानसिक तथा भावनात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान, कर्मचारियों को तनावमुक्त जीवन, बेहतर कार्यक्षमता और संतुलित दिनचर्या के लिए नियमित योग अपनाने का संदेश दिया गया। सभी ने नियमित योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी गौतम विशाल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है। यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक कार्य संस्कृति का आधार है। उन्होंने बताया कि नियमित योग से शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहने का एक प्रभावी माध्यम है। एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

व्यक्ति का स्वास्थ्य बेहतर होता है, साथ ही उसकी कार्यक्षमता, एकाग्रता और अनुशासन में भी वृद्धि होती है। विशाल ने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जोर दिया कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में बढ़ते मानसिक तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों, परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों और राजमार्ग क्षेत्र के अन्य हितधारकों के बीच स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों और टोल प्लाजाओं पर एक साथ आयोजित इस योग कार्यक्रम ने सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया और स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नगर निगम मुख्यालय पर सामूहिक योगाभ्यास

महापौर सुषमा खर्कवाल ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

लखनऊ (यूएनएस)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लखनऊ नगर निगम मुख्यालय स्थित झंडी पार्क में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। इस दौरान योग को जन-जन तक पहुंचाने और इसे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया गया।'योग फॉर हेल्दी एजिंग' थीम पर आयोजित कार्यक्रम में योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने नियमित योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में बांदा जिले की नरैनी विधानसभा से विधायक ओममणि वर्मा, भाजपा कार्यालय सह प्रभारी लक्ष्मण चौधरी, पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी' समेत कई पार्षद और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए

प्रेरित किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन, पंकज श्रीवास्तव और अरविंद कुमार राव सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर योग दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि बेहतर जीवनशैली का आधार है। उन्होंने लोगों से नियमित योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रिकॉर्ड सहभागिता,9 लाख लोगों ने किया योगाभ्यास

उरई/जालौन (यूएनएस)। जालौन में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को पूरा जालौन योगमय वातावरण में रंगा नजर आया। इस वर्ष की थीम (स्वस्थ आयु के लिए योग) को आत्मसात करते हुए जिलेभर में पुलिस लाइन उरई के मुख्य कार्यक्रम से लेकर ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, अमृत सरोवरों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और सामाजिक संस्थाओं में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के अनुसार जनपद में लगभग 9 लाख लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जालौन, स्वस्थ उत्तर प्रदेश और स्वस्थ भारत का संदेश दिया। पुलिस लाइन उरई में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि उत्तर प्रदेश शासन के सचिव (कृषि) एवं जनपद के नोडल अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, जलशक्ति मंत्री प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. विनय कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड स्वयंसेवकों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि महेश कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग भारत की सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर को निरोग, मन को शांत और जीवन को सकारात्मक बनाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में योग को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान लगातार मजबूत हो रहा है। विशिष्ट अतिथि इंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। बदलती जीवनशैली और बढ़ते तनाव के दौर में योग स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। आज विश्व के अनेक देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जालौन ने योग के प्रति अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता का ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों, शिक्षण संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 9 लाख लोगों ने योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के योग से निरोग के संदेश और मुख्यमंत्री के स्वस्थ उत्तर प्रदेश के संकल्प के प्रति जनपद की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है।पुलिस अधीक्षक डॉ. विनय कुमार सिंह ने कहा कि नियमित योगाभ्यास मानसिक तनाव को कम करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और व्यक्ति की कार्यक्षमता को मजबूत बनाता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रतिभागियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। जिलेभर में विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला समूहों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनपद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 का यह आयोजन जनसहभागिता, स्वास्थ्य जागरूकता, अनुशासन और सामाजिक एकजुटता का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की भारतीय जीवनशैली है।

असम प्रभारी हरीश द्विवेदी ने किया योगाभ्यास, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम

बस्ती (यूएनएस)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाजपा के असम प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने भाग लिया और लोगों से नियमित योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना, डीआईजी संजीव त्यागी, पुलिस अधीक्षक यसबीर सिंह, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी योगासन किए। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। सामूहिक योगाभ्यास के दौरान प्रशिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। पूरे स्टेडियम परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल देखा गया। उपस्थित लोगों ने नियमित योग करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक यसबीर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मानुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का भी आधार है। उन्होंने पुलिसकर्मियों और आमजन से दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने की अपील की।पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने

अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग आज वैश्विक पहचान बना चुका है। करोड़ों लोग इसके माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को स्वस्थ एवं सशक्त बनाने का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। योग दिवस के इस आयोजन ने स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति लोगों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

नशे में युवक ने कुएं में कूदकर दी जान, परिवार में पसरा मातम

उरई/जालौन (यूएनएस)। जालौन के कोंच कोतवाली क्षेत्र के घमूरी गांव में रविवार को 28 वर्षीय युवक ने घर के पास स्थित कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से कई घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद युवक का शव कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान हेमंत (28) पुत्र चंद्रपाल निवासी घमूरी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार हेमंत अकबरपुर में रहकर मजदूरी करता था। बीती 13 जून को उसकी दादी का निधन हो गया था, जिसके बाद वह अंतिम संस्कार और पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए गांव आया था। 25 जून को दादी की त्रयोदशी होनी थी, लेकिन उससे पहले ही परिवार पर एक और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक के पिता चंद्रपाल ने बताया कि हेमंत शराब पीने का आदी था। शनिवार देर रात वह नशे की हालत में घर पहुंचा और शराब के लिए पैसे मांगने लगा। पैसे न मिलने पर उसका परिवार के लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद वह घर से निकल गया और कुछ देर बाद घर के पास बने कुएं में कूद गया। रात में उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सुबह घटना की सूचना पुलिस को दी गई। कोंच कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद युवक का शव कुएं से बाहर निकाला गया।

चुनावी रंजिश में युवक को मारी गोली,पूर्व प्रधान समेत 5 पर केस

उरई/जालौन (यूएनएस)। जालौन में चुनावी रंजिश खूनी संघर्ष में बदल गई। शनिवार रात बाइक से घर लौट रहे एक युवक को रोककर पहले मारपीट की गई और फिर फायरिंग कर दी गई। गोली युवक के हाथ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पूर्व प्रधान समेत पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला आटा थाना क्षेत्र के अटरिया गांव का है। पीड़ित संजीव कुमार अहिरवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे वह उरई से बाइक से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि गांव के पास पूर्व प्रधान और एक महिला समेत पांच लोगों ने उसे रोक लिया। पहले उसके साथ मारपीट की गई और इसके बाद फायरिंग की गई। संजीव के मुताबिक, पहली गोली उसकी बाइक में लगी। इसके बाद एक अन्य आरोपी ने दूसरी गोली चलाई, जो उसके बाएं हाथ में जा लगी। गोली लगते ही

वह सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही आटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल उरई भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की हालत फिलहाल स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी भी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस टीमों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन देर रात तक मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर रहे। मामले में नामजद एक महिला ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। उसका कहना है कि यदि वह घटना में शामिल होती तो उस समय अपने घर पर मौजूद नहीं होती। बताया जा रहा है कि संजीव कुमार और पूर्व प्रधान के बीच लंबे समय से चुनावी प्रतिद्वंद्विता चली आ रही थी। गांव में कराए गए विकास कार्यों की जांच की मांग को लेकर संजीव लगातार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर रहे थे। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। क्षेत्राधिकारी कालपी राजेश कमल ने बताया कि 20 जून 2026 को मिली तहरीर के आधार पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की विवेचना की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि गांव में स्थिति सामान्य है और पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

न्यूज डायरी

पुलिस के वाहन से एक माह पूर्व अधेड़ की हुई थी मौत

जौनपुर। आठ मई को जिले के एक पुलिस वाहन के धक्के से एक अधेड़ घायल हो गया था। ईलाज के दौरान उसकी की मौत हो गई थी। मौत के एक माह के बाद कोतवाली पुलिस ने वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।जहाँसापुर गांव निवासी गुलाब चंद्र ने बताया कि आठ मई को उसके पिता प्यारेलाल साइकिल से घरेलू सामान खरीदने बगल स्थित श्रीनेतगंज बाजार गए थे। जब सामान लेकर लौट रहे थे तो प्रयागराज से जौनपुर की तरफ आ रहे पुलिस वाहन ने उनकी साइकिल में जोरदार धक्का मार दिया। जिससे उनके सिर, सीने में गंभीर चोट लग गई। वह मौके पर ही बेहोश हो गए। पुलिस की मदद से उन्हें मौके से सीएचसी लाया गया। जहां उनकी हालत देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहाँ हालत में सुधार न देख उन्हें हम लोगों ने दुर्गा सिटी हॉस्पिटल नई गंज में भर्ती कराया। जहाँ इलाज के दौरान 14 मई को मौत हो गई। उसके बाद पुलिस द्वारा जांच पड़ताल नाम पर एक महीना टाल मटोल किया गया। जाँच पड़ताल में पता चला पुलिस वाहन जिला पुलिस का था। मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करने के बाद उक्त वाहन के खिलाफ शुक्रवार को मुकदमा दर्ज किया गया।

आई जी आर एस की शिकायतों के निस्तारण की स्थिति खराब

जौनपुर। तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। एस डी एम अजय उपाध्याय ने निस्तारण की स्थिति असंतोषजनक पाये जाने पर संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को फटकार लगाई ।कहा कि आईजीआरएस के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपजिलाधिकारी चेतावनी देते हुए कहा कि अगली समीक्षा बैठक आगामी समाधान दिवस के बाद होगी । बैठक में आने से पहले सभी अधिकारी अपने लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 160 शिकायतों में, दो का निस्तारण

जौनपुर। उपजिलाधिकारी अजय कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ।सम्पूर्ण समाधान दिवस पर विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 160 शिकायतें आई। जिसमें से 2 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिसमें भूमि, बिजली, राशन कार्ड संबंधित शिकायतों की अधिकता रही। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी अंजली भारतीय,नायब तहसीलदार राज कुमार सोनकर , अधिशासी अधिकारी विजय कुमार सिंह सहित समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।उपजिलाधिकारी अजय कुमार उपाध्याय ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए।

सई नदी में नहाने गईं तीन किशोरियां डूबीं, दो की मौत; एक का उपचार जारी

जौनपुर। जनपद के जलालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नहोरा गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में सई नदी में डूबने से दो किशोरियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोरी को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नहोरा गांव की कुछ किशोरियां सई नदी के किनारे गई थीं। इसी दौरान नदी में नहाते समय तीन किशोरियां गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर तत्काल बचाव का प्रयास किया तथा पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही जलालपुर थाना पुलिस और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों किशोरियों को नदी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद गुड़िया (17 वर्ष) और शिवांगी (17 वर्ष) को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीसरी किशोरी का उपचार जारी है।घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।दो किशोरियों की असमय मौत से नहोरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी किनारे सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है तथा हादसे से संबंधित सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

बिना लाइसेंस ऑनलाइन कीटनाशक बिक्री पर होगी सख्त कार्यवाही

जौनपुर । जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में बिना लाइसेंस के ऑनलाइन माध्यम से कीटनाशको और कृषि रसायनों की बिक्री करने वाले कारोबारियों अब सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार ने ई-कामर्स प्लेटफार्म संचालको ऑनलाइन मार्केटिंग फर्मो और विक्रेताओ को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बिना वैध लाइसेंस के कीटनाशको का भण्डारण वितरण अथवा बिक्री करना पूरी तरह अवैध और दंडनीय अपराध है और किसान भाइयो से अपील है कि बिना वैध लाइसेंस देखे किसी भी विक्रेता से रसायन की खरीद कदापि न करें।उन्होंने बताया है कि ई-कामर्स प्लेटफार्म और ऑनलाइन विक्रेता आवश्यक लाइसेंस प्राप्त किये बिना यदि कीटनाशको एवं कृषि रसायनों का ऑनलाइन क्रय-विक्रय करते है तो यह कार्य कीटनाशी अधिनियम, 1968 तथा कीटनाशी नियमावली 1971 प्राविधानो का उल्लंघन है। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था बिना लाइसेंस कीटनाशको के भण्डारण, वितरण या विक्री की अनुमति नही है। ऐसे मामलो में सम्बंधित अधिनियम और नियमावली के तहत कठोर दंडात्मक कार्यवाई का प्रविधान है। सभी ई-कामर्स प्लेटफार्म, ऑनलाइन मार्केटिंग फर्मो एवं विक्रेताओ को निर्देशित किया गया है कि वे बिना लाइसेंस किसी भी प्रकार के कीटनाशको या कृषि रसायनों की विक्री अथवा भण्डारण न करे। विभाग द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जायेगा और जाँच के दौरान यदि किसी संस्था या व्यक्ति के पास बिना अनुमति कीटनाशको का भण्डारण या बिक्री पाई गयी, तो उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पीएम स्वनिधि योजना के 06 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में हुआ पीएम स्वनिधि महोत्सव का भव्य आयोजन

लाभार्थियों को किया गया सम्मानित, वक्ताओं ने पीएम स्वनिधि योजना पर डाला विस्तार से प्रकाश

जौनपुर। पीएम स्वनिधि योजना के 06 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 20 जून शनिवार को नगर पालिका परिषद जौनपुर के टाउन हॉल मैदान में आयोजित स्वनिधि महोत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक विद्यालय आरा, बदलापुर एवं बक्शा के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद श्री बृजेश सिंह ''प्रिंसू'' ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने रेहड़ी, पटरी और छोटे व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराकर सरकार छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। पीएम स्वनिधि योजना ने छोटे कारोबारियों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ

पहुंचाना है। विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। डॉ0 राम सूरत मौर्या ने कहा कि सरकार की योजनाएं केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का माध्यम भी हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि नगर क्षेत्र के पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पालिका लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिला है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को सम्मानित किया गया तथा उनके अनुभव भी साझा किये गये। लाभार्थियों ने बताया कि सरकारी योजनाओं की सहायता से उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला है।इस मौके पर कर अधीक्षक अंजू राय, जितेंद्र सिंह, शहर मिशन प्रबन्धक, सभासद राहुल साहू, राजस्व निर्धारण अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, कर विभाग के समस्त राजस्व निरीक्षक, लिपिक, सीओ संदीप चौधरी, बृजनन्दन स्वरूप, राजस्व लिपिक रिजवान हैदर एवं समस्त कर संग्रह कर्ता तथा यूनियन बैंक व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

योग दिवस के माध्यम से जौनपुर से जाए सकारात्मक संदेश : डीएम

जौनपुर। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को सफल बनाने के लिए शनिवार को शाही किला परिसर में कॉमन योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने प्रतिभाग करते हुए सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं से योग दिवस में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया।जिलाधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और यह नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण से सीधे जुड़ा हुआ अभियान है। उन्होंने कहा कि जनपद जौनपुर से योग के क्षेत्र में एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी संदेश जाना चाहिए तथा

अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल के निर्देशन में आयोजित पूर्वाभ्यास में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। जिलाधिकारी ने इस वर्ष की थीम 'भ्र्दु दै पींतूर्ब्ुंगहु' को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है।पूर्वाभ्यास कार्यक्रम का संचालन पतंजलि योग समिति के सह-राज्य प्रभारी अचल हरिमूर्ति तथा आयुष विभाग के योग प्रशिक्षक विकास कुमार एवं जगदीश द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक योग संकल्प एवं शांति पाठ कराया गया।इसी क्रम में लोहिया पार्क में भी योग प्रशिक्षक अरविंद कुमार एवं अन्य प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे।

1 लाख के इनामी भोले राजभर को हाईकोर्ट से राहत, 60 दिन तक गिरफ्तारी पर रोक

जौनपुर।आजाद बिंद दूल्हा हत्याकांड में नामजद एक लाख रुपये के इनामी आरोपी भोले राजभर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से आंशिक राहत मिली है। अदालत ने उसकी गिरफ्तारी पर 60 दिनों की रोक लगाते हुए उसे निचली अदालत में आत्मसमर्पण कर जमानत अर्जी दाखिल करने का अवसर दिया है। हालांकि, हाईकोर्ट ने उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग को खारिज कर दिया।मामला खेतासराय थाना क्षेत्र में दर्ज चर्चित आजाद बिंद दूल्हा हत्याकांड से जुड़ा है। भोले राजभर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर 2 मई को दर्ज एफआईआर को रद्द करने तथा गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में उसने स्वयं को निर्दोष बताते हुए मामले में झूठा फंसाए जाने का दावा किया था।मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं न्यायमूर्ति विवेक सारण की खंडपीठ ने की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने एफआईआर निरस्त करने की मांग अस्वीकार कर दी। खंडपीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला ऐसा नहीं है जिसमें एफआईआर को रद्द किया जाए।हालांकि, याचिकाकर्ता के अनुरोध पर अदालत ने उसे राहत देते हुए 60 दिनों तक गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया और इस अवधि के भीतर सक्षम निचली अदालत में उपस्थित होकर जमानत के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया।हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद चर्चित दूल्हा हत्याकांड में कानूनी प्रक्रिया का अगला चरण निचली अदालत में जमानत याचिका पर सुनवाई के रूप में सामने आएगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जौनपुर। जनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने तहसील केराकत पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों एवं प्रार्थना पत्रों का गंभीरता से अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को संतोषजनक न्याय मिल सके।डीएम ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में आपसी समन्वय बनाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए। वहीं एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

योग सप्ताह के पांचवें दिन एचआईवी पीड़ितों के साथ योगाभ्यास कर दिया सामाजिक समरसता का संदेश

जौनपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह के पांचवें दिन एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ योगाभ्यास कर समाज को सकारात्मक एवं प्रेरणादायक संदेश दिया। जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत प्रजापति ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को पौष्टिक एवं सुपाच्य भोजन नियमित रूप से लेना चाहिए तथा किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को सलाह दी कि वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल, किडनी एवं लीवर संबंधी समस्याओं जैसी जीवनशैली जनित बीमारियों से बचाव के लिए संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या एवं योग को अपनाएं। साथ ही प्रदूषित जल एवं प्रदूषित वायु से बचाव तथा नियमित ध्यान एवं व्यायाम पर भी बल दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी धुव खाड़िया ने कहा कि एचआईवी पीड़ित व्यक्तियों के साथ सामान्य सामाजिक संपर्क, साथ बैठने, मिलने-जुलने अथवा योगाभ्यास करने से किसी प्रकार का संक्रमण नहीं फैलता है। उन्होंने समाज से अपील की कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांतियां अथवा नकारात्मक धारणाएं न रखें तथा उन्हें सम्मान और सहयोग प्रदान करें। उन्होंने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को भी अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनाए रखने हेतु नियमित योग, व्यायाम एवं अन्य स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया।क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल ने कहा कि आयुर्वेदिक जीवनशैली एवं औषधियां रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ बनाने में सहायक हो सकती हैं।पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरिमूर्ति एवं मुख्य योग शिक्षक अरविंद ने योग प्रोटोकॉल के अतिरिक्त रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले विभिन्न योगाभ्यासों का अभ्यास कराया तथा उनके लाभों की जानकारी दी। श्री हरिमूर्ति ने बताया कि शरीर में रक्त संचार एवं प्राणवायु के प्रवाह में असंतुलन होने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। नियमित रूप से कपालभाति, भस्त्रिका, भ्रामरी एवं उद्गीथ प्राणायाम का अभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हो सकता है। इस अवसर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा, जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह सहित अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसी क्रम में शुक्रवार को मिनी औद्योगिक आस्थान, कौड़िया शाहगंज में उद्यमियों द्वारा योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में उद्यमी संघ के अध्यक्ष अरविन्द सिंह, उपाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, मंत्री विवेक सिंह, अनिल सिंह सहित अन्य उद्यमियों ने सहभागिता करते हुए योगाभ्यास किया तथा नियमित योग को स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताया।

टीईटी से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हित संरक्षण की मांग, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

जौनपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (प्राथमिक संवर्ग) जौनपुर इकाई ने टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा हितों की रक्षा की मांग को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जिला संयोजक एवं मंडल अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में दिया गया।महासंघ ने अपने ज्ञापन में कहा कि 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को न्यूनतम अर्हता के रूप में अधिसूचित किया गया था। इससे पहले देशभर में लाखों शिक्षकों की नियुक्तियां तत्कालीन नियमों एवं चयन प्रक्रियाओं के अनुरूप विधिवत रूप से की जा चुकी थीं। ऐसे शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।संगठन ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सितंबर 2025 तथा पुनर्विचार याचिकाओं पर 29 मई 2026 को दिए गए निर्णयों के बाद देशभर के लाखों शिक्षकों में सेवा अधिकारों, पदोन्नति और भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। महासंघ का मत है कि किसी नए पात्रता मानदंड को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।ज्ञापन में कहा गया कि न्यायालय के निर्णय का सम्मान सभी का संवैधानिक दायित्व है, किंतु जनहित में आवश्यक नीतिगत एवं विधायी समाधान उपलब्ध कराने का अधिकार संसद और सरकार के पास है। इसलिए केंद्र सरकार को इस विषय में सकारात्मक पहल करते

हुए प्रभावित शिक्षकों को संरक्षण प्रदान करना चाहिए।महासंघ ने मांग की कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों तथा उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त किया जाए। साथ ही उनकी सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य वैधानिक लाभों को पूर्ण संरक्षण दिया जाए। आवश्यकता पड़ने पर संसद में विधायी संशोधन अथवा विशेष प्रावधान लाकर इस वर्ग को स्थायी राहत प्रदान की जाए।संगठन ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर शिक्षकों में व्याप्त असमंजस और असुरक्षा की स्थिति दूर करने की भी मांग की। महासंघ ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार शिक्षक समुदाय के हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण निर्णय लेगी।इस अवसर पर जिला सहसंयोजक केशव सिंह, अभिषेक सिंह, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, रत्नेश सिंह, अरविंद प्रकाश, अखिलेश मिश्रा, राकेश सिंह, अभिषेक उपाध्याय, संदीप सिंह, टिल्लू सिंह, प्रीति श्रीवास्तव, प्रीति मौर्य, बबीता सिंह, नीतू सिंह, मधुलिका अस्थाना, शिवम सिंह, कंचन यादव, प्रमोद कुमार, सोमनाथ सिंह, डॉ. सतीश सिंह, सत्यदेव तिवारी, मोहम्मद अरशद, सुनील राघव, अनिरुद्ध कुमार, दिवाकर, जयप्रकाश यादव, अमरेंद्र गुप्ता, रवि भूषण मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

स्वदेश भारत न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक स्वदीश कुमार द्वारा स्वदेश भारत पब्लिकेशन ग्राम कनकपुर पोस्ट फतेहगंज जिला जौनपुर (उ०प्र०) 222132 से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक
स्वदीश कुमार
मो0 9628825379
संरक्षक संजय गुप्ता
7860079888
उप संरक्षक- आदित्य मौर्या
प्रधान संम्पादक- राकेश मौर्या
उप संम्पादक – नियामअतुल्ला
समाचार संम्पादक- विनय कुमार
सह संपादक- तबरेज नियाजी
कार्यकारी सम्पादक
राजेश गौतम, सतीश चौहान
प्रबन्ध संम्पादक –रंजीत कुमार
@-swadeshbharatnews@gmail-com
समस्त वादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार देर सायं आईजीआरएस की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार देर सायं आईजीआरएस की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई । जिलाधिकारी ने आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में बरती जा रही लापरवाही पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागाध्यक्षों को चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में इसी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की

जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं तथ्यपरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी दशा में शिकायतकर्ताओं से नकारात्मक फीडबैक प्राप्त न हो। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता के रूप में न किया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आईजीआरएस के अंतर्गत एल-1, एल-2, एल-3 एवं एल-4 स्तर पर की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया एवं समयसीमा का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें तथा शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करते रहें।जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता वाली व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आमजन अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को शासन तक पहुंचाते हैं। अतः सभी अधिकारी शिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने हेतु गंभीरता, संवेदनशीलता तथा जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ठ, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वन-डे-गवर्नेंस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की गईं जनसेवाएं

शाहगंज। शासन के निर्देश के क्रम में तहसील शाहगंज परिसर में उपजिलाधिकारी शाहंगज कुणाल गौरव के नेतृत्व में आयोजित वन-डे-गवर्नेंस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान राजस्व विभाग द्वारा 125 आय एवं जाति प्रमाण पत्रों का तत्काल निर्गमन किया गया। खाद्य एवं रसद विभाग को राशन कार्ड में नाम जोड़ने संबंधी 20 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 80 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा भी स्टॉल लगाकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निस्तारण किया गया तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्यवाही की गई। इससे लोगों को

एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं सुलभ रूप से प्राप्त हुईं। इसी क्रम में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत एसडीएम नवीन कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को मड़ियाहूं तहसील सभागार में विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया गया।इसमें विभिन्न विभागों से जुड़ी 233 शिकायतों और आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर सरकारी सेवाओं का लाभ देना और लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करना था। रव्जस्व, विद्युत, खाद्य एवं नगर पंचायत सहित कई विभागों के अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं।राजस्व विभाग ने 54 आय, 65 जाति, 42 निवास तथा 10 खतौनी संशोधन मामलों का निस्तारण किया। नगर पंचायत ने 35 जन्म और दो मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किएखाद्य एवं रसद विभाग ने तीन नए राशन कार्ड बनाए तथा पांच में संशोधन किया। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं के दो मामलों का समाधान किया।